नामांक Roll No.

No. of Questions — 30

No. of Printed Pages — 7

VU—01—Hindi (C)

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2011

अनिवार्य हिन्दी

(Compulsory - Hindi)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्नपत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंकवाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।
5. प्रश्न क्रमांक **1** के चार भाग (i, ii, iii तथा iv) हैं । प्रत्येक भाग के उत्तर के चार विकल्प (**अ, ब, स** एवं **द**) हैं । सही विकल्प का उत्तराक्षर उत्तर-पुस्तिका में निम्नानुसार तालिका बनाकर लिखें :

प्रश्न क्रमांक	उत्तर का सही विकल्प
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

1. (i) 'एकैक' शब्द का सन्धि-विच्छेद है

(अ) एक + ऐक (ब) ए + एक

(स) ऐक + एक (द) एक + एक । $\frac{1}{2}$

(ii) विसर्ग सन्धि का उदाहरण है

(अ) मनोबल (ब) हिमालय

(स) नयन (द) सदैव । $\frac{1}{2}$

(iii) 'सम् + कल्प' शब्दों का सन्धियुक्त शब्द है

(अ) सकल्प (ब) समकल्प

(स) संकल्प (द) सम्कल्प । $\frac{1}{2}$

(iv) 'सदैव' शब्द में सन्धि है

(अ) व्यंजन सन्धि (ब) गुण सन्धि

(स) वृद्धि सन्धि (द) यण् सन्धि । $\frac{1}{2}$

2. 'अमृत' शब्द के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए । 1

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थक शब्द लिखिए : 1

(i) शाश्वत

(ii) बन्धन ।

4. मिश्र वाक्य की परिभाषा लिखिए । 1

5. सर्वनाम शब्द के पद-परिचय हेतु कोई **तीन** बिन्दु लिखिए । 1

6. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थ भेद स्पष्ट कीजिए : 2

(i) पाणि — पानी

(ii) प्रकार — प्राकार ।

7. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए : 2

(i) जो सम्पत्ति पिता से प्राप्त हो ।

(ii) जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हो ।

8. (i) 'खुशामद करना' के लिए सही मुहावरा लिखिए ।

(ii) 'यथा राजा तथा प्रजा ।' लोकोक्ति का स्वरचित वाक्य प्रयोग कीजिए । 2

9. 'द्विगु समास' की परिभाषा और उदाहरण लिखिए । 2

10. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए : 2

(i) अस्तबल में घोड़ा चिंघाड़ रहा है ।

(ii) मेरा कमीज उतार लाओ ।

11. निम्नलिखित शब्दों में विद्यमान उपसर्ग, प्रत्यय एवं मूल शब्द छाँटकर लिखिए : 2

(i) आर्थिक

(ii) उपहार ।

12. 'आज तो यहीं सांझ हो गई ।' वाक्य में निहित शब्द-शक्ति का नाम लिखकर उसकी परिभाषा लिखिए । 2

13. ''आः धरती कितना देती है ।'' कविता में कवि पंत ने क्या संदेश दिया है ?

(उत्तर सीमा : लगभग 30 शब्द) 1

14. ''दासता इन्सान की करनी नहीं है ।

    दासता भगवान की करनी नहीं है ।''

    कवि द्विवेदी क्या कहना चाहते हैं ?

    (उत्तर सीमा : लगभग 30 शब्द) 1

15. महाराणा प्रताप की तलवार को 'अजब विषैली नागिन' किस कारण कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

    (उत्तर सीमा : लगभग 30 शब्द) 1

16. 'कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है ।' स्पष्ट कीजिए ।

    (उत्तर सीमा : लगभग 60 शब्द) 2

17. कथनी-करनी के अन्तर ने हमें आज कहाँ खड़ा कर दिया है ? लेखक के मन्तव्य को 'सत्य की खोज' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

    (उत्तर सीमा : लगभग 60 शब्द) 2

18. ''मेरे देशवासी मेरे परिजनों से बढ़कर हैं ।'' अमर शहीद 'सागरमल' ने ऐसा क्यों कहा ?

    (उत्तर सीमा : लगभग 60 शब्द) 2

19. ''लंका में भौतिकता का साम्राज्य था ।'' कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

    (उत्तर सीमा : लगभग 80 शब्द) 3

20. '' 'तीन बच्चे' कहानी बाल मनोविज्ञान को चित्रित करने वाली कहानी है ।'' कथन की पुष्टि कीजिए ।

(उत्तर सीमा : लगभग 80 शब्द) 3

21. 'निरापद' कहानी पुलिस व कानून की विसंगतियों पर प्रकाश डालने वाली प्रभावपूर्ण कहानी है । स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा : लगभग 80 शब्द) 3

22. 'स्नेहबन्ध' कहानी के शीर्षक पर प्रकाश डालिए ।

(उत्तर सीमा : लगभग 100 शब्द) 4

23. ''मैं आपसे अपनी धरोहर वापस माँगने आई हूँ ।'' यह धरोहर क्या थी ? ध्रुवश्री को कैसे प्राप्त हुई थी ?

(उत्तर सीमा : लगभग 80 शब्द) 3

24. खारवेल किन गुणों के कारण 'ध्रुवश्री' नाटक का नायक बन गया ?

(उत्तर सीमा : लगभग 80 शब्द) 3

25. 'ध्रुवश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए । (उत्तर सीमा : लगभग 100 शब्द) 4

26. स्वयं को बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामपुर की छात्रा सुनीता मानते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या को अनिवार्य विषयों के व्याख्याताओं के अभाव में नियमित अध्यापन की व्यवस्था करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

(उत्तर सीमा : लगभग 100 शब्द) 5

27. (i) श्वाँस घुटे तो समझो इतिहास बदलने वाला है ।

प्रस्तुत पंक्ति का पल्लवन लगभग 50 शब्दों में कीजिए । 2

(ii) निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण लगभग एक-तिहाई शब्दों में कीजिए : 3

नारी त्याग और तपस्या की मूर्ति है । नारी जीवन का मूल मंत्र है — त्याग और उस मंत्र को सिद्ध करने की क्षमता उसे प्रदान की है, तपस्या ने । भारतीय संस्कृति में हमें नारी अनेक रूपों में क्रियाशील दिखाई देती है जिसमें कन्या रूप, पत्नी रूप, बहिन रूप, माता रूप आदि उल्लेखनीय हैं । वह अपने त्याग और तपस्या की पावन धारा सींचकर ही समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है । उसका योगदान अवर्णनीय है । वह समाज की आधारशिला है ।

28. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : 4

वस्तुत: मुझे और विवाह नहीं करना था । इस दृष्टि से मुझे तत्काल उस प्रस्ताव को अस्वीकार कर देना चाहिए था, किन्तु मत्स्यराज जैसे राजा के प्रस्ताव का तिरस्कार मुझे प्रिय नहीं था । वैसे ही हम चाहते थे कि उनके वंश से हमारा घनिष्ठ सम्बन्ध हो । सम्बन्ध का ऐसा अवसर हम चूकना नहीं चाहते थे और तुम जानती हो कि मुझे अपनी वह शिष्या आत्मजा के समान प्रिय हो गई थी । मैं उसे स्वयं से दूर भी नहीं करना चाहता था और उसके लिए अच्छे से अच्छे वर की कामना भी करता था ।

29. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : 4

श्वान के सिर हो,
चरण तो चाहता है ।
भौंक ले क्या सिंह
को वह डाँटता है ?
रोटियाँ खायी कि
साहस खो चुका है,
प्राणी हो पर प्राण से
वह जा चुका है ।
तुम न खेलो, ग्राम सिंहों में भवानी ।
विश्व की अभिमान मस्तानी जवानी ।

30. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(i) पर्यावरण प्रदूषण–कारण व निवारण ।

(ii) बढ़ता भ्रष्टाचार–गिरती नैतिकता ।

(iii) समाज निर्माण में नारी की भूमिका ।

(iv) बेरोजगारी की समस्या ।

(v) राजस्थान के पर्यटन स्थल ।